28
1.50 PM
12.11.2020

प्रारूप 2ख
(नियम 4 देखिये)

नाम निर्देशन–पत्र

इलाहाबाद–झाँसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र

परिषद् निर्वाचन क्षेत्र से उत्तर प्रदेश (राज्य) की विधान परिषद के लिये नि

भाग–1

हम ....उत्तर प्रदेश .... (राज्य) की विधान परिषद के निर्वाचन के लिये इलाहाबाद–झाँसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित को नामनिर्देशित करते हैं।

अभ्यर्थी का नाम उत्तम कुमार मौर्य

(पिता/माता/पति का नाम) श्री शीतलादीन

उसका डाक पता ग्राम - सराय फते पोस्ट- अतरामपुर सोरांव प्रयागराज

उसका नाम 254-फाफामऊ विधान सभा/निर्वाचन–क्षेत्र की निर्वाचक नामावली के भाग संख्या 326 में क्रम संख्या 645 पर प्रविष्ट है।

हम घोषणा करते हैं कि हम मतदाता हैं और हमारे नाम **इलाहाबाद–झाँसी खण्ड स्नातक निर्वाचन** क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में, जैसा कि नीचे उपदर्शित किया गया है, प्रविष्ट है और इस नामनिर्देशन के प्रतीक स्वरूप हम नीचे अपने हस्ताक्षर करते हैं :

प्रस्थापकों की विशिष्टियां और उनके हस्ताक्षर

क्रम सं.	प्रस्थापक की निर्वाचक नामावली संख्या		पूरा नाम	हस्ताक्षर	तारीख
	निर्वाचक नामावली की भाग संख्या	उस भाग में क्रम संख्या			
1	2	3	4	5	6
1	137	177	राधेश्याम कुशवाहा	[signature]	12.11.20
2	138	204	राम प्रकाश कुशवाहा	[signature]	12-11-2020
3	162	11	अनुराग कुमार	Anurag	12-11-2020
4	167	325	रामराजा पटेल	रामराजा	12-11-2020
5	149	230	राजेश कुशवाहा	[signature]	12-11-20
6	155	24	जीतू कुशवाहा	जीतू कुशवाहा	12-11-20
7	167	415	सूरजू भान	सूरजू भान	12-11-2020
8	167	420	सुरेन्द्र सिंह पटेल	सुरेन्द्र सिंह पटेल	12-11-2020
9	167	186	महेश कुमार	maheshkumar	12.11.2020
10	167	303	राज प्रकाश	RajPrakash	12/11/2020

* प्रस्थापक निर्वाचन क्षेत्र के दस प्रतिशत मतदाता या दस ऐसे मतदाता, जो भी कम हों, होने चाहिये।

मैं, उपरिवर्णित अभ्यर्थी इस नामनिर्देशन के लिये अपनी अनुमति देता/देती हूँ और घोषणा करता/करती हूँ कि :–

(क) मैं भारत का नागरिक हूँ और मैंने किसी अन्य विदेशी राज्य की नागरिकता अर्जित नहीं की है,

(ख) मैंने ......43...... वर्ष की आयु पूरी कर ली है,

(ग) मैं इस निर्वाचन में ......जन अधिकार पार्टी...... दल द्वारा खड़ा किया गया हूँ/खड़ी की गई हूँ,

(घ) मेरा नाम और मेरे पिता/माता/पति का नाम ऊपर ......हिन्दी...... (भाषा का नाम) में सही रूप से लिखा गया है, और

(ङ). अपनी पूर्ण जानकारी और विश्वास के अनुसार मैं, **इलाहाबाद–झाँसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र** से उत्तर प्रदेश (राज्य) की विधान परिषद के रिक्त स्थान को भरने के लिये चुने जाने हेतु अर्हित हूँ और निरर्हित नहीं हूँ।

मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि इसके साथ–साथ होने वाले विधान परिषद के विद्यमान द्विवार्षिक निर्वाचन/उप निर्वाचनों में दो स्थानों के लिये किसी अभ्यर्थी के रूप में नामनिर्दिष्ट नहीं किया गया हूँ और न ही किया जाऊंगा।

उत्तम कुमार मौर्य

तारीख 12-11-2020

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

* जो लागू न हो, उसे काट दें।

भाग–2
(अभ्यर्थी द्वारा भरा जाए)

(1) क्या अभ्यर्थी को –

(i) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की –
(क) उपधारा (1) के अधीन किसी अपराध (अपराधों) के लिए , या
(ख) उपधारा (2) में विनिर्दिष्ट किसी विधि के उल्लंघन के लिए,
सिद्धदोष ठहराया गया है , या — हां/नहीं ✓

(ii) ऐसे किसी अन्य अपराध (अपराधों) के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है, जिसके (जिनके) लिए उसे दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडित किया गया है।

यदि उत्तर "हां" में है, तो अभ्यर्थी निम्नलिखित जानकारी देगा :

(i) मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्यांक शून्य

(ii) पुलिस थाना (थाने) शून्य जिला (जिले) शून्य राज्य शून्य

(iii) संबद्ध अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और उस अपराध (उन अपराधों) का संक्षिप्त विवरण, जिसके (जिनके) लिए उसे सिद्धदोष ठहराया गया था शून्य

(iv) दोषसिद्ध (दोषसिद्धियों) की तारीख/(तारीखें) शून्य

(v) वह (वे) न्यायालय जिसने (जिन्होंने) अभ्यर्थी को सिद्धदोष ठहराया था शून्य

(vi) अधिरोपित दंड कारावास (कारावासों) की अवधि और/या (जुर्मानें) की राशि उपदर्शित करें शून्य

(vii) कारागार से निर्मुक्ति की तारीख (तारीखें) शून्य

(viii) क्या उपरोक्त दोषसिद्धि (दोषसिद्धियों) के विरूद्ध कोई अपील (अपीलें)/पुनरीक्षण फाइल किए गये थे : हाँ/नहीं

(ix) फाइल की गयी अपील (अपीलों)/पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) की विशिष्टियां एवं तारीख शून्य

(x) उस न्यायालय (उन न्यायालयों) का (के) नाम, जिसके (जिनके) समक्ष अपील (अपीलें)/पुनरीक्षण आवेदन फाइल किए गये थे शून्य

(xi) क्या उक्त अपील (अपीलों)/पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) का निपटारा हो गया है या वह/वे लंबित हैं शून्य

(xii) यदि उक्त अपील (अपीलों)/पुनरीक्षण आवेदन (आवेदनों) का निपटारा हो गया है, तो–
(क) निपटारे की तारीख (तारीखें) शून्य
(ख) पारित आदेश (आदेशों की प्रकृति) शून्य

(2) क्या अभ्यर्थी भारत सरकार या राज्य सरकार के अधीन कोई लाभ का पद धारण कर रहा है? नहीं (हां/नहीं)

–यदि हां, धारित पद के ब्यौरे शून्य

(3) क्या अभ्यर्थी किसी न्यायालय द्वारा दिवालिया घोषित किया गया है ? शून्य (हां/नहीं)

–यदि हां, क्या उसे दिवालियापन से उन्मोचित कर दिया गया है शून्य

(4) क्या अभ्यर्थी किसी विदेशी देश के साथ राजनिष्ठा या अनुषति के अधीन है ? नहीं (हां/नहीं)

–यदि हां, ब्यौरे दीजिए नहीं

(5) क्या अभ्यर्थी राष्ट्रपति के आदेश द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 8क के अधीन निरर्हित किया गया है? नहीं (हां/नहीं)

–यदि हां, निरर्हित किए जाने की अवधि शून्य

(6) क्या अभ्यर्थी भारत सरकार या किसी राज्य की संरकार द्वारा पद धारण के दौरान भ्रष्टाचार या अभक्ति के लिए पदच्युत किया गया है? नहीं (हां/नहीं)

–यदि हां, ऐसी पदच्युति की तारीख शून्य

(7) क्या अभ्यर्थी या तो व्यष्टि हैसियत में या न्यास द्वारा या भागीदारी द्वारा सरकार के साथ कोई ऐसी अस्तित्ववान संविदा(संविदाएं) रखता है जिसमें(जिनमें) अभ्यर्थी का उस सरकार को किसी माल के प्रदाय के लिए या उस सरकार द्वारा किए संकर्म के निष्पादन के लिए शेयर रखता है? नहीं (हां/नहीं)

–यदि हां, तो कौन सी सरकार के साथ है और अस्तिववान संविदा(ओं) के ब्यौरे शून्य

(8) क्या अभ्यर्थी ऐसी किसी कंपनी या निगम(सहकारी सोसाइटी से भिन्न) का प्रबंधकीय अभिकर्ता या प्रबंधक या सचिव है जिसकी पूंजी में केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार पच्चीस प्रतिशत से कम शेयर नहीं रखती है? नहीं (हां/नहीं)

–यदि हां, कौन–सी सरकार के साथ और उसके ब्यौरे नहीं

(9) क्या अभ्यर्थी आयोग द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 10क के अधीन निरर्हित किया गया है? नहीं (हां/नहीं)

–यदि हां, निहर्रन की तारीख शून्य "

स्थान : झांसी
तारीख : 12-11-2020

उत्तम कुमार गौतम
अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

भाग–3

(रिटर्निंग आफिसर द्वारा भरा जाए)

नाम निर्देशन पत्र की क्रम संख्या 28

यह नामनिर्देशन मुझे/मेरे कार्यालय न्यायालय कक्ष, आयुक्त, झाँसी मण्डल, झाँसी में .....
12-11-2020 (तारीख) को 1:50 PM (बजे) अभ्यर्थी/~~प्रस्थापक~~ उत्तम कुमार भौर्या
..... (नाम) द्वारा परिदत्त किया गया।

तारीख 12-11-2020

रिटर्निंग आफिसर

भाग–4

नामनिर्देशन–पत्र को प्रतिगृहीत या रद्द करने वाले रिटर्निंग आफिसर का विनिश्यच

मैंने इस नामनिर्देशन–पत्र को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 36 के अनुसार परीक्षित कर लिया है और मैं निम्नलिखित रूप में विनिश्चय करता हूँ :—

तारीख .....

रिटर्निंग आफिसर

PHOTO ATTESTED

NOTARY GOVT. OF INDIA, DISTT. JHANSI — DAYA SHANKAR KUSHWAHA, ADVOCATE, JHANSI, Reg. No.-1106/15, Valid upto 27-3-2025

प्ररूप 26

(नियम 4क देखिए)

इलाहाबाद झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन-क्षेत्र से

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

विधान परिषद उत्तर प्रदेश (सदन का नाम) के निर्वाचन के लिए रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा नाम-निर्देशन पत्र के साथ प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ पत्र

भाग-क

मैं, उत्तम कुमार मौर्या पुत्र/पुत्री/पत्नी शीतलादीन आयु 43 वर्ष, जो ग्राम सराय फत्ते पो० आटरामपुर, सोरांव, प्रयागराज (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूं, और उपरोक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी हूं, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं/करती हूं, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूं/करती हूं:-

(1) मैं जन अधिकार पार्टी (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/**एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूं।

(**जो लागू न हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम 254-फाफामऊ उत्तर प्रदेश (निर्वाचन-क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं. 326 के क्रम सं. 645 पर प्रविष्ट है।

(3) मेरा/मेरे 9394111160 संपर्क दूरभाष संख्या/संख्याएं है/हैं और uttam maurya 607@gmail.com मेरा ईमेल पता (यदि कोई हो) है तथा मेरा/मेरे सोशल मीडिया खाता/खाते (यदि कोई हो) निम्नलिखित है/हैं।

(i) फेसबुक

(ii) शून्य

(iii) शून्य

(4) स्थाई खाता संख्या (पैन) और आय-कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति:

क्रम सं.	नाम	पीएएन (स्थाई खाता संख्या)	वह वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	पिछले पांच वित्तीय वर्षों (31 मार्च को) के लिए आयकर विवरणी में दर्शित कुल आय (रुपए में)
1.	स्वयं	BYTPK4443D	शून्य	(i)
	शून्य	शून्य	शून्य	(ii)
	शून्य	शून्य	शून्य	(iii)

NOTARY GOVT. OF INDIA, DISTT. JHANSI — DAYA SHANKAR KUSHWAHA, ADVOCATE, JHANSI, Reg. No.-1106/15, Valid up to 27-3-2025

उत्तम कुमार मौर्या

				(iv)
				(v)
2.	पति या पत्नी			(i)
	मासा मौर्य	शून्य	शून्य	(ii)
		शून्य	शून्य	(iii)
		शून्य	शून्य	(iv)
		शून्य	शून्य	(v)
3.	हिंदू अविभक्त कुटुंब (यदि अन्यथी कर्ता या सहदायिक है)			(i)
				(ii)
				(iii)
				(iv)
				(v)
4.	आश्रित - 1			(iii)
	कु० विभा मौर्या	बेटी	शून्य	(i)
		शून्य	शून्य	(ii)
		शून्य	शून्य	(iii)
		शून्य	शून्य	(iv)
		शून्य	शून्य	(v)
5.	आश्रित - 2			(i)
	अमेश मौर्य	बेटा	शून्य	(ii)
		शून्य	शून्य	(iii)
		शून्य	शून्य	(iv)
		शून्य	शून्य	(v)
6.	आश्रित - 3			(i)
	आर्यन मौर्य	बेटा		(ii)
		शून्य	शून्य	(iii)
		शून्य	शून्य	(iv)
		शून्य	शून्य	(v)

टिप्पण : स्थायी खाता संख्या (पैन) धारक के लिए स्थायी खाता संख्या (पैन) का उल्लेख करना आज्ञापक होगा और कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) न होने की दशा में यह स्पष्ट रूप से कथन करना चाहिए कि "कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) आबंटित नहीं हुआ है"।

उत्तम कुमार मौर्य

(5) लंबित आपराधिक मामले

(i) मैं यह घोषणा करता/करती हूं कि मेरे विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है।

(यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है तो इस विकल्प को चिह्नांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने लागू नहीं होता है लिखें)

या

(ii) मेरे विरुद्ध निम्नलिखित आपराधिक मामले लंबित हैं:

(यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध आपराधिक मामले लंबित हैं तो इस विकल्प चिह्नांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें और नीचे की सारणी में सभी लंबित मामलों का ब्यौरा दें)

सारणी

(क)	संबद्ध पुलिस थाने के नाम और पते के साथ प्रथम इत्तिला रिपोर्ट सं.	शून्य	शून्य	शून्य
(ख)	न्यायालय के नाम के साथ मामला सं.	शून्य	शून्य	शून्य
(ग)	अंतर्वलित संबद्ध अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं *(धारा की सं. दें, अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा.....)*	शून्य	शून्य	शून्य
(घ)	अपराध का संक्षिप्त विवरण	शून्य	शून्य	शून्य
(ङ)	क्या आरोप विरचित किए गए हैं *(हां या नहीं का उल्लेख करें)*	शून्य	शून्य	शून्य
(च)	यदि उपरोक्त मद (ङ) के सामने उत्तर हां है, तो वह तारीख दें, जिसको आरोप विरचित किए गए थे	शून्य	शून्य	शून्य
(छ)	क्या कार्यवाहियों के विरुद्ध कोई अपील/पुनरीक्षण के लिए आवेदन फाईल किया गया है *(हां या नहीं का उल्लेख करें)*	शून्य	शून्य	शून्य

(6) दोषसिद्धि के मामले,-

(i) मैं यह घोषणा करता/करती हूं कि मुझे किसी आपराधिक मामले में दोषसिद्ध नहीं किया गया है।

(यदि अभ्यर्थी दोषसिद्ध नहीं किया गया है तो इस विकल्प को चिह्नांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने लागू नहीं होता है लिखें)

या

उत्तम कुमार मौर्य

(ii) मुझे नीचे वर्णित अपराधों के लिए दोषसिद्ध किया गया है:

(यदि अभ्यर्थी दोषसिद्ध किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें, और नीचे दी गई सारणी में ब्यौरे दें)

सारणी

(क)	मामला संख्यांक	शून्य	शून्य	शून्य
(ख)	न्यायालय का नाम	शून्य	शून्य	शून्य
(ग)	अंतर्वलित अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं *(धारा की सं. दे, अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा.....)*	शून्य	शून्य	शून्य
(घ)	अपराधों का संक्षिप्त विवरण, जिनके लिए दोषसिद्ध किया गया है	शून्य	शून्य	शून्य
(ङ)	दोषसिद्धि के आदेशों की तारीखें	शून्य	शून्य	शून्य
(च)	अधिरोपित दंड	शून्य	शून्य	शून्य
(छ)	क्या दोषसिद्धि के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाईल की गई है *(हां या नहीं का उल्लेख करें)*	शून्य	शून्य	शून्य
(ज)	यदि उपरोक्त मद (छ) का उत्तर हां है, तो अपील के ब्यौरे तथा वर्तमान प्रास्थिति दें	शून्य	शून्य	शून्य

(6क) मैंने, ऊपर पैरा (5) और पैरा (6) में दिए गए अनुसार मेरे विरुद्ध सभी लंबित आपराधिक मामलों की और दोषसिद्धि के सभी मामलों के बारे में अपने राजनीतिक दल को पूरी और अद्यतन सूचना दे दी है।

[ऐसे अभ्यर्थियों को, जिन्हें यह मद लागू नहीं होती है, उपरोक्त पैरा 5(i) और पैरा 6(i) में की प्रविष्टियों को देखते हुए, स्पष्ट रूप से लागू नहीं होता है, लिखना चाहिए]

NOTARY ★ GOVT. OF INDIA ★ DELHI

उत्तम कुमार गौड़

टिप्पण:

1. ब्यौरे स्पष्ट रूप से और सुपाठ्य रूप से बड़े अक्षरों में प्रविष्ट किए जाने चाहिए।
2. प्रत्येक मद्द के सामने विभिन्न स्तंभों के अधीन प्रत्येक मामले के लिए ब्यौरे पृथक रूप से दिए जाए।
3. ब्यौरे विलोम कालानुक्रम में दिए जाने चाहिए, अर्थात् नवीनतम मामलों को पहले वर्णित किया जाए और अन्य मामलों के लिए तारीखों के क्रम में पीछे की ओर वर्णित किया जाए।
4. यदि अपेक्षित हो तो पृथक शीट जोड़ी जा सकती हैं।
5. अभ्यर्थी 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में सभी सूचनाएं देने का उत्तरदायी होगा।

(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूं:

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 - जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3 - सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4 - "आश्रित" से अभ्यर्थी के माता-पिता, पुत्र, पुत्री या पति या पत्नी और अभ्यर्थी से संबंधित कोई अन्य व्यक्ति, चाहे वह रक्त द्वारा हो या विवाह द्वारा, अभिप्रेत है(हैं), जिसके आय के पृथक साधन नहीं हैं और जो अपने जीवनयापन के लिए अभ्यर्थी पर आश्रित हैं।';

टिप्पण 5 - रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

टिप्पण 6 - ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

स्पष्टीकरण,- इस टिप्पण के प्रयोजन के लिए "अपतट आस्तियों" पद से विदेशी बैंकों और किसी अन्य विदेशी निकाय या संस्था में सभी जमा राशियों या विनिधानों के ब्यौरे और विदेशों में सभी आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे अभिप्रेत हैं;

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	हाथ में नकदी	25000	5000	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

उत्तम कुमार मौर्य

टिप्पण:

1. ब्यौरे स्पष्ट रूप से और सुपाठ्य रूप से बड़े अक्षरों में प्रविष्ट किये जाने चाहिए।
2. प्रत्येक मद के सामने विभिन्न स्तंभों के अधीन प्रत्येक मामले के लिए ब्यौरे पृथक रूप से दिए जाए।
3. ब्यौरे विलोम कालानुक्रम में दिए जाने चाहिए, अर्थात् नवीनतम मामलों को पहले वर्णित किया जाए और अन्य मामलों के लिए तारीखों के क्रम में पीछे की ओर वर्णित किया जाए।
4. यदि अपेक्षित हो तो पृथक शीट जोड़ी जा सकती है।
5. अभ्यर्थी 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में सभी सूचनाएं देने का उत्तरदायी होगा।

(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूं:

अ. <u>जंगम आस्तियों के ब्यौरे :</u>

टिप्पण 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 - जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3 - सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4 - "आश्रित" से अभ्यर्थी के माता-पिता, पुत्र, पुत्री या पति या पत्नी और अभ्यर्थी से संबंधित कोई अन्य व्यक्ति, चाहे वह रक्त द्वारा हो या विवाह द्वारा, अभिप्रेत है(हैं), जिसके आय के पृथक साधन नहीं हैं और जो अपने जीवनयापन के लिए अभ्यर्थी पर आश्रित हैं।';

टिप्पण 5 - रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

टिप्पण 6 - ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

स्पष्टीकरण,- इस टिप्पण के प्रयोजन के लिए "अपतट आस्तियों" पद से विदेशी बैंकों और किसी अन्य विदेशी निकाय या संस्था में सभी जमा राशियों या विनिधानों के ब्यौरे और विदेशों में सभी आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे अभिप्रेत हैं';

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	हाथ में नकदी	25000	5000	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

उत्तम कुमार मौर्य

(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	2,26000/- दो लाख छब्बीस हजार मात्र	7000/- सात हजार मात्र	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	——	——	कोई	नहीं	——	——
(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	——	——	कोई	नहीं	——	——
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	——	कोई	नहीं	——	——	——
(vi)	मोटर यान वाहन/वायुयान/याच/पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम)	स्प्लेंडर मोटर साइकिल क्रय मूल्य 51600 (2008) UP70 2623	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	शून्य	20gm सोना 1/2 kg चांदी 168000/-	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हितों का मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	सकल कुल मूल्य	302000 302000/-	180000	शून्य शून्य	शून्य शून्य	शून्य शून्य	शून्य शून्य

उत्तम कुमार मौर्य

ख. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पण 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 - प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेन्ट का इस प्रारुप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

टिप्पण 3 - ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	1 बीघा 16 बिस्वा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (एकड़ में कुल माप)	शून्य	1/2 एकड़	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	01-10-2013	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	10,00000/- दस लाख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	2818000 अट्ठाइस लाख अट्ठारह हजार	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	**गैर कृषि भूमि :** अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

GOVT. NOTARY ... DISTT. JHANSI
Regn. ... /15
Valid up to ...2025

शून्य

उत्तम कुमार मौर्य

(iii)	व्यावसायिक भवन (अपार्टमेंट सहित) -अवस्थिति (अवस्थितियां) -सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) -अवस्थिति (अवस्थितियां) -सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	हां ग्रामीण क्षेत्र	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	1050 वर्गमीटर	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	5 लाख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY ... GOVT. OF INDIA, DISTT. JHANSI Reg. No. 1108/15 valid up to 27-3-2025

उत्तम कुमार मौर्य

(vi)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य	5 लाख	2810000 अठ्ठाईस लाख दस हजार	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/ को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ:-
(टिप्पण: कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक मद के समक्ष रकम के ब्यौरों का अलग-अलग विवरण दें)

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	**बैंक/वित्तीय संस्था** (संस्थाओं) को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कोई अन्य दायित्व	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	दायित्वों का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	सरकारी शोध्य: सरकारी आवास से संबंधित विभागों को शोध्य	क. क्या अभिसाक्षी वर्तमान निर्वाचन की अधिसूचना की तारीख से पूर्व पिछले दस वर्ष के दौरान किसी समय सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आवास के अधिभोग में हैं ? ख. यदि उपरोक्त (क) का उत्तर हां है तो निम्नलिखित घोषणा प्रस्तुत करें, अर्थात् :- (i) सरकारी आवास का पता: .... शून्य .... (ii) उपरोक्त सरकारी आवास के संबंध में, निम्नलिखित के मद्दे कोई शोध्य संदेय नहीं है- (क) भाटक; लागू नहीं (ख) विद्युत प्रभार; लागू नहीं (ग) जल प्रभार; और शून्य (घ) ...शून्य...(तारीख) को टेलीफोन प्रभार [तारीख उस मास से जिसमें निर्वाचन अधिसूचित					हां/नहीं (कृपया उपयुक्त विकल्प पर सही का निशान लगाएं)

NOTARY GOVT. OF INDIA, DISTT. JHANSI ... ADVOCATE ... JHANSI Regd. No. 11106/15 ... up to 27-3-2025

उत्तम कुमार गौर

		किया जाता है, पूर्व तीसरे मास की अंतिम तारीख या उसके पश्चात् की कोई तारीख होनी चाहिए। टिप्पण– उपरोक्त सरकारी आवास के लिए भाटक, विद्युत प्रभार, जल प्रभार और टेलीफोन प्रभार की बाबत् संबंधित अभिकरणों का "बेबाकी प्रमाणपत्र" प्रस्तुत किया जाना चाहिए।					
(iii)	सरकारी परिवहन से संबंधित विभाग को शोध्य (जिसके अंतर्गत वायुयान और हेलीकॉप्टर भी हैं)	शून्य		शून्य			शून्य

		स्वयं	पति/पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(iv)	आयकर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	जीएसटी शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	नगरपालिका/संपत्ति कर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	कोई अन्य शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादग्रस्त हैं, यदि ऐसा है तो उसमें अंतर्वलित रकम का और प्राधिकारी का, जिसके समक्ष वह लंबित है, उल्लेख करें।	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं ..... कृषि .....

(ख) पति या पत्नी ..... कृषि .....

(9क) आय के स्रोतों के ब्यौरे–

(क) स्वयं ..... कृषि .....

(ख) पति या पत्नी ..... कृषि .....

(ग) आश्रितों के आय के स्रोत,यदि कोई हों..... शून्य .....

(9ख) समुचित सरकार और किसी पब्लिक कम्पनी या कम्पनियों के साथ संविदाए-

(क) अभ्यर्थी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे..... शून्य .....

(ख) पति या पत्नी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे..... शून्य .....

(ग) आश्रितों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे..... शून्य .....

उत्तम कुमार गौड़

(घ) हिंदू अविभक्त कुटुम्ब या न्यास, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित हितबद्ध हैं, द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे लागू नहीं

(ङ) भागीदारी फर्मों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित भागीदार हैं लागू नहीं

(च) प्राइवेट कम्पनियों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रितों हिस्सा हैं लागू नहीं।

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार है:-
स्नातक (बी. ए.) इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)।

(1) हाई स्कूल यू० पी० बोर्ड 1992

(2) इन्टरमीडिएट यू० पी० बोर्ड 1994

(3) स्नातक इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद 1998

NOTARY JHANSI

उत्तम कुमार मौर्य

भाग-ख

(11) भाग-क के (1) से (10) तक में दिए गए ब्यौरों का सारांश

1.	अभ्यर्थी का नाम		श्री/श्रीमती/कु. उत्तम कुमार मौर्या				
2.	डाक का पूरा पता		ग्राम-सरायफते पो० अटरामपुर तहसील सोराम जनपद-प्रयागराज				
3.	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य		254 फाफामऊ विधान सभा उत्तरप्रदेश				
4.	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा 'निर्दलीय' लिखें)		जन अधिकार पार्टी				
5.	लंबित आपराधिक मामलों की कुल संख्या		शून्य				
6.	ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें दोषसिद्ध ठहराया गया है।		शून्य				
7.		स्थायी लेखा सं. (पैन)	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आय-कर विवरणी फाइल की गई है		कुल दर्शित आय		
	(क) अभ्यर्थी	BYTPK4043D	शून्य		302000		
	(ख) पति या पत्नी		शून्य		2990000		
	(ग) हिंदू अविभक्त कुटुंब	शून्य	शून्य		शून्य		
	(घ) आश्रित	शून्य	शून्य		शून्य		
8.	आस्तियों और दायित्वों (अपत्तद आस्तियों सहित) के रुपयों में ब्यौरे-						
	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
क.	जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	लागू नही					
ख.	स्थावर आस्तियां	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
I.	स्वार्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
II.	क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY
DAYA SHANKAR KUSHWAHA
ADVOCATE
H.Q. JHANSI
Reg. No.-11061/5
Valid up to 27-5-2025
GOVT. OF INDIA

उत्तम कुमार मौर्या

	III.	अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत-						
		(क) स्वार्जित आस्तियां (कुल मूल्य)	302000	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
		(ख) विरासती आस्तियाँ (कुल मूल्य)	शून्य	2998000	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9.		दायित्व	शून्य	शून्य				
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
10.		ऐसे दायित्व जो विवादाधीन हैं	शून्य	शून्य				
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
11.	उच्चतम शैक्षणिक अर्हता : (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठयक्रम के पूर्ण रूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठयक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।)							

सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित, अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूं कि इस शपथपत्र की विषय-वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इस से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूं कि :-

उत्तम कुमार गौड़

(क) मेरे विरुद्ध ऊपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है:

(ख) मेरे पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास ऊपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख..... को सत्यापित किया गया।

अभिसाक्षी

टिप्पण : 1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को अपराह्न 3:00 बजे तक फाइल किया जाना चाहिए।

टिप्पण : 2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटेरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण : 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़ें, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थिति "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण : 4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्य रूप से साफ-साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण : 5. शपथ पत्र का प्रत्येक पृष्ठ अभिसाक्षी द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, शपथ पत्र के प्रत्येक पृष्ठ पर ऐसे नोटरी या शपथ आयुक्त या मजिस्ट्रेट जिसके समक्ष शपथ पत्र सत्यापित किया जाता है, की स्टांप होनी चाहिए।